

# डॉ. क्रेग कीनर, अधिनियम, व्याख्यान 14, अधिनियम 12-14

© 2024 क्रेग कीनर और टेड हिल्डेब्रांट

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 14, अधिनियम 12 और 13 है।

ल्यूक अपनी सामग्री को व्यवस्थित करने के तरीके में शानदार है।

वह पीटर और जेरूसलम चर्च के बारे में बात कर रहा है। वह एक्ट्स के बाद के भाग में पॉल पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा है। और अब बीच में, वह पीटर और पॉल के बीच आगे-पीछे काट रहा है।

और परिवर्तन के इस आखिरी समय में, वह एंटिओक में जो कुछ हो रहा था उसके बारे में बोल रहा है। अब, अन्ताकिया में चर्च अध्याय 11 और पद 30 में यरूशलेम के लिए अकाल राहत के साथ शाऊल और बरनबास को भेजता है। ठीक है, अध्याय 12 और पद 25 में यह अकाल राहत देने के बाद ल्यूक बरनबास और शाऊल के साथ फिर से जुड़ने जा रहा है।

इस बीच, उनका अंतिम ध्यान पीटर और जेरूसलम चर्च पर है, हालांकि इसमें से कुछ कैसरिया में होता है। अध्याय 12 श्लोक 1 से 17 में, हम पतरस के उद्धार के बारे में सीखते हैं। अब उत्पीड़न सचमुच गंभीर होता जा रहा है।

हेरोदेस महान के बाद हेरोदेस अग्रिप्पा प्रथम पहला यहूदी राजा है। चूंकि वह रोम के सम्राट के मित्र थे, इसलिए उन्हें राजा बनने की अनुमति दी गई। और यह 41 से 44 तक है, जब उसे यहूदिया में राजा बनने की अनुमति दी जाती है।

वह हेरोदियास का भाई था। यदि आपको मार्क अध्याय छह में हेरोदेस के बारे में पढ़ना याद है, तो वह हेरोदेस एंटिपस, गैलील का टेट्रार्क था। उन्होंने अपने भाई की पत्नी, हेरोडियास से शादी की।

खैर, हेरोदियास का पूरा भाई हेरोड अग्रिप्पा प्रथम था। कैलीगुला के सम्राट बनने से पहले वह गयुस कैलीगुला के साथ पार्टी के मित्र थे। और वह अपने दादा हेरोदेस महान के बाद पहला आधिकारिक यहूदी राजा बन गया। उनकी दादी, मरियम्ने, एक हस्मोनियन राजकुमारी थीं।

और इससे वह लोगों को अच्छा दिखने लगा क्योंकि हेरोदेस महान जातीय रूप से इडुमीयन था। अतः उसकी प्रजा प्रसन्न थी। यह पहला यहूदी राजा है जिसकी रगों में हस्मोनियन, मैकाबीज़ का खून भी है।

वह लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय थे। वह प्रसन्न करने के लिए भी बहुत उत्सुक था, जिसके कारण कभी-कभी उसे रोम में परेशानी का सामना करना पड़ता था। उसने वहां हर किसी को खुश करने की कोशिश में अपना पैसा इधर-उधर फेंक दिया और कुछ गंभीर कर्ज में डूब गया।

खैर, उसने यहूदिया में भी यही किया। वह खुश करने के लिए बहुत उत्सुक था, क्योंकि वास्तव में, यहां पाठ कहता है कि वह यहूदियों और जाहिर तौर पर विशेष रूप से सबसे रूढ़िवादी धार्मिक यहूदियों को खुश करना चाहता था। इसलिए, वह अपनी यहूदी पहचान पर ज़ोर दे रहा था, जैसे उसने रोम में रहते हुए अपनी रोमन पहचान पर ज़ोर दिया था।

आप जानते हैं, जब रोम में हों तो वही करें जो रोमन करते हैं। खैर, जब यहूदिया में हो तो वही करो जो यहूदी करते हैं। वह लोगों को खुश करना चाहता था।

वह बहुत फरीसी समर्थक था और अक्सर मंदिर में जाता था। यह हम जोसेफस से जानते हैं। खैर, उसने जॉन के भाई जेम्स को गिरफ्तार कर लिया।

जैकब वास्तव में वही है जो यह कहता है, लेकिन नए नियम में, किसी कारण से, जैकब ने हमेशा जेम्स का अनुवाद किया है। और उसने उसका सिर काट दिया, ठीक वैसे ही जैसे ल्यूक 9.9 में जॉन बैपटिस्ट का सिर काट दिया गया था। इस काल में आमतौर पर कुल्हाड़ी के स्थान पर तलवार का प्रयोग किया जाता था। सिर कलम करना अधिक दयालु माना जाता था।

यह रोमन नागरिकों के लिए विशेष रूप से आवश्यक था। लेकिन एक राजा के रूप में, उसके पास उपयोग की शक्ति, ग्लेडियस, तलवार की शक्ति, जीवन और मृत्यु की शक्ति थी। महासभा के पास वह नहीं था।

उन्हें राज्यपाल की मंजूरी लेनी थी, लेकिन इस संक्षिप्त अवधि के दौरान यहूदिया का कोई राज्यपाल नहीं था। यह तो उनका ही राज था। उसने वास्तव में बढ़ते यहूदी राष्ट्रवाद के दौर को जन्म दिया, जैसा कि वे कहते हैं, ओह, हमारा अपना राजा हो सकता है।

जब हम पर कोई विपत्ति आती है तो हम क्या करते हैं? जेम्स का सिर कलम कर दिया गया है। अब पीटर को गिरफ्तार कर लिया गया है। खैर, ये दो प्रमुख प्रेरित हैं।

चर्च क्या कर सकता है? अध्याय 12 और पद 3. यह अखमीरी रोटी के पर्व के दौरान था। जो व्यक्ति ल्यूक और एक्ट्स को एक साथ पढ़ता है, उसे ल्यूक के पहले खंड से याद आएगा, वह ल्यूक 22.7 में यीशु की फांसी का समय था। अग्रिप्पा कभी-कभी सार्वजनिक मनोरंजन के लिए लोगों को मार डालता था। यह लोगों को खुश करने के उनके तरीके का हिस्सा था।

यह हम जोसेफस से जानते हैं। यह सार्वजनिक मनोरंजन था। उत्सव में ऐसा करना एक चेतावनी के रूप में था, लेकिन इसमें सबसे बड़ी संख्या में लोग भी थे, न केवल एक चेतावनी के रूप में, बल्कि मनोरंजन की सराहना करने वाले लोगों की संख्या भी सबसे अधिक थी।

हम जानते हैं कि हेरोदेस अग्रिप्पा प्रथम ने यहूदिया के बाहर अन्यजातियों को उदारतापूर्वक दान दिया, लेकिन उसकी नीतियां उसकी यहूदी प्रजा में अधिक लोकप्रिय थीं। उन्होंने बहुमत की इच्छाओं का ध्यान रखा। कैसरिया में उसके सैनिक, कैसरिया में उसके अन्यजाति सैनिक, जिन्हें उसे उत्तर देना था, यद्यपि वे रोम के सैनिक थे, फिर भी वे उससे घृणा करते थे।

हम इसे जोसेफस से भी देखते हैं, लेकिन यहूदी यहूदी उससे प्यार करते थे। अध्याय 12 :4, स्थान. अग्रिप्पा प्रथम यरूशलेम में रहता था।

एक बार जब पीटर को हिरासत में ले लिया गया तो संभवतः यही वह स्थान था जहां पीटर को कैद किया गया था। यह शायद एंटोनिया किले में रहा होगा, जो ऊपरी शहर के पास था। वही वह स्थान था जहाँ आपके सबसे अधिक सैनिक थे।

वास्तव में, वहाँ आपका एक रोमन दल था। कुछ विद्वानों ने तर्क दिया है कि इस अवधि के दौरान उन्होंने सिर्फ यहूदी सैनिकों का इस्तेमाल किया होगा। शायद लेवी मंदिर का रक्षक नहीं, बल्कि उसके अपने यहूदी सैनिक।

यह वह नहीं है जो हमने जोसेफस में पढ़ा था। जोसीफस में हमने जो पढ़ा वह यह है कि उसने रोमन सेना का इस्तेमाल किया, रोमन दल जो पहले से ही यहूदिया में तैनात थे। लेकिन चार शिफ्ट में चार-चार जवान रहेंगे.

तो, किसी भी समय, पीटर की सुरक्षा में चार सैनिक होंगे। 12:6 में, प्रत्येक जंजीर ने पतरस को एक सैनिक से बांध दिया, और फिर आपके पास दो रक्षक बाहर खड़े होकर निगरानी कर रहे थे। वह काफी सुरक्षित होना चाहिए.

आप उम्मीद करेंगे कि यह काफी सुरक्षित होगा। 12:8-11 में, प्रभु का दूत प्रकट होता है और पतरस से कहता है कि वह अपनी जूतियाँ और अपना बाहरी वस्त्र पहन ले। जेलें आम तौर पर कपड़े की आपूर्ति नहीं करती थीं।

तो, जिस भी मामले में आपको गिरफ्तार किया गया था, वही आपके पास था, जब तक कि कोई आपके लिए इसके अतिरिक्त कुछ और नहीं लाता था, और वे इसे उन गार्डों से पार करा सकते थे जिन्हें अक्सर रिश्वत की आवश्यकता होती थी। लेकिन किसी भी स्थिति में, बाहरी लबादे को कंबल के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता था, लेकिन अब उसे लबादे के रूप में इसकी आवश्यकता होगी। और उसे इन्हें पहनने के लिए कहा गया है, और वह उन्हें पहनता है।

उसकी जंजीरें छूट जाती हैं। यूनानी कहते हैं, दरवाजे अपने आप खुल जाते हैं। उस भाषा का प्रयोग अन्य कई प्राचीन कार्यों में किया जाता है।

युरिपिडीज़, याद रखें कि उन्होंने डायोनिसस द्वारा अपने अनुयायियों को मुक्त करने के बारे में बात की थी। उसने जंजीरें उतरवा दीं और बंद दरवाजे खुलवा दिये। लेकिन अपने आप खुलने वाले दरवाजों की यह भाषा होमर से लेकर जोसीफस तक आपके पास है।

यह प्राचीन साहित्य में हर जगह मौजूद है। लेकिन फिर, यह हमें उस बात की याद दिलाता है जो हमने पहले प्रेरितों के काम अध्याय पाँच में देखा था, कि आप ईश्वर के विरुद्ध नहीं लड़ सकते। जेम्स की मृत्यु हो गई।

पीटर बच गया। हम हमेशा यह नहीं समझ पाते कि भगवान एक मामले में हस्तक्षेप क्यों करते हैं और भगवान दूसरे मामले में हस्तक्षेप क्यों नहीं करते हैं। लेकिन पीटर को अभी भी काम करना बाकी था।

और जैसा कि हम अधिनियमों की पुस्तक में देखते हैं, उस कार्य का हिस्सा, वह स्थान जहां उसका उल्लेख किया गया है, गैर-यहूदी मिशन के समर्थन में इस परिवर्तन में मदद करने के लिए अधिनियम 15 में उसका फिर से उल्लेख किया जाएगा। लेकिन एग्रीप्पम के पास सैन्हेड्रिन की तुलना में अधिक प्रत्यक्ष शक्ति थी। उसके रक्षक उन रक्षकों से अधिक कुशल थे जिनके बारे में आपने प्रेरितों के काम अध्याय पाँच में पढ़ा था।

तो, ऐसा लग रहा है कि पीटर मरने वाला है। वह सो रहा है, लेकिन लोग उसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। निस्संदेह, उन्होंने जेम्स के लिए भी प्रार्थना की थी, लेकिन वे उसके लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

अब, पीटर कहाँ है? संभवतः वह ऊपरी शहर में कहीं है। इससे पता चलता है कि शायद किला एंटोनिया, जो टेम्पल माउंट पर था, जहां रोमन दल था। लेकिन एंटोनिया किले से, यह ऊपरी शहर के लिए एक सीधा रास्ता था।

आप एक मुख्य सड़क ले सकते हैं, यदि वह वही सड़क है जिस पर आप गए थे, और बस एक मेहराब को पार करें और आप पहले से ही ऊपरी शहर में होंगे। हमें कैसे पता चलेगा कि वह ऊपरी शहर में गया था? खैर, वह जिस घर में जाता है वह जॉन मार्क की मां का घर है। इसमें एक बाहरी द्वार है।

इसमें एक नौकर है जो कुली का काम करता है। शायद बहुत अमीर नहीं क्योंकि नौकर सिर्फ कुली नहीं लगता। उसे दरवाजे तक जाना है।

वह दरवाजे पर इंतजार नहीं कर रही है, लेकिन फिर भी किसी भी मामले में उसका घर कुछ न कुछ साधन उपलब्ध है। प्रेरितों के काम की पुस्तक के बाहर, हमें कुलुस्सियों 4:10 से एक अच्छा संकेत मिलता है कि मरकुस और बरनबास रिश्तेदार थे। हम यह भी जानते हैं कि बरनबास के पास अधिनियमों के अध्याय चार, श्लोक 36 और 37 से कुछ साधन थे।

तो, यह सब इस विचार का समर्थन करता है कि यह एक काफी अच्छा घर है, निश्चित रूप से औसत से बेहतर है। 4.36 से भी, हम जानते हैं कि बरनबास एक लेवी था। तो, यह एक लेवी परिवार हो सकता है।

उनका पुरोहित अभिजात वर्ग के साथ कुछ संबंध भी हो सकता है, यदि कुलीन स्तर पर नहीं तो कम से कम किसी प्रकार का संबंध हो। क्योंकि यरूशलेम के ऊपरी शहर में बहुत से धनी

याजक रहते थे, साथ ही कुछ यरीहो में भी रहते थे। अब, यहाँ इस घर में एक प्रार्थना सभा चल रही है।

घर जितना बड़ा होगा, आप उसमें उतने ही अधिक लोगों को शामिल कर सकेंगे। तो, प्रार्थना सभा के लिए यह एक स्वाभाविक स्थान था। चर्च के अस्तित्व की पहली तीन शताब्दियों तक चर्च ने विशेष इमारतों के बजाय घरों का उपयोग किया।

हम इसके बारे में रोमियों 16.5 और न्यू टेस्टामेंट में हर जगह पढ़ते हैं। कुछ गरीब आराधनालयों को आराधनालय भवन बनाने से पहले भी ऐसा करना पड़ता था। जेरूसलम मेगाचर्च मंदिर में मिल सकता था, जिसे सार्वजनिक स्थान माना जाता था।

लेकिन इस अवधि में, जब उत्पीड़न गंभीर होता है, चर्च भूमिगत होता है और सार्वजनिक स्थान पर बैठक करने की तुलना में घर उसके लिए कहीं बेहतर होते हैं। हम इस घर के बारे में और क्या जानते हैं ? खैर, मैरी जॉन मार्क की माँ हैं। मार्क एक लैटिन नाम था; इसलिए यह संभवतः रोम के लिए अधिक अनुकूल परिवार से आता है।

यह आवश्यक रूप से रोमन नागरिकता को इंगित नहीं करता है, कि वे लिबर्टिन के आराधनालय के सदस्य थे जिसके बारे में हमने पहले बात की थी, लेकिन यह कम से कम विशिष्ट यहूदी राष्ट्रवाद को इंगित नहीं करता है। तो, वे शायद फिर से अधिक संपन्न यरूशलेमवासियों से जुड़े हुए हैं। यहूदिया और गलील में मैरी सबसे आम महिला नाम था।

यही कारण है कि सुसमाचार और प्रेरितों के काम के पहले भाग में यह हर जगह मौजूद है। फिर, जो नाम हमें अधिनियमों में मिलते हैं वे स्थानों के लिए उपयुक्त हैं। ये वे नाम नहीं हैं जिन्हें बाद के चर्च ने बनाया होगा और वापस यहूदिया या यरूशलेम में पेश किया होगा।

नौकर का नाम रोडा है। रोडा का मतलब गुलाब होता है, जो आज भी कई क्षेत्रों में एक नाम है। यह उस समय नौकरों के लिए एक सामान्य नाम था।

अब, घरेलू नौकर वास्तव में खेतों में काम करने वाले स्वतंत्र लोगों की तुलना में बेहतर स्थिति में थे। वे अक्सर आर्थिक और सामाजिक रूप से बेहतर थे, उनमें अधिक सामाजिक गतिशीलता थी, जमीन पर काम करने वाले किसानों की तुलना में उनके स्वतंत्र होने और समाज में किसी प्रकार की उच्च स्थिति प्राप्त करने की अधिक संभावना थी। हालाँकि, महिलाओं के लिए यह हमेशा सच नहीं था।

अन्यजातियों की दुनिया में महिला दासियों और कभी-कभी लड़कों ने यौन उत्पीड़न का अनुभव किया। और यहां तक कि यहूदी हलकों में भी नौकरों का यौन उत्पीड़न करना मना था। लेकिन तथ्य यह है कि इसे प्रतिबंधित किया जाना था, यह बताता है कि यह प्रलोभन कुछ गुलाम रखने वाले पुरुषों के लिए था, और उनमें से कुछ ने ऐसा किया।

हालाँकि, यह यहाँ महत्वपूर्ण है। यह जॉन मार्क की माँ का घर है। यह मरियम है।

इसलिए, रोडा को इसका अनुभव होने की संभावना नहीं है। और जैसा कि हम कथा से देख सकते हैं, वह पीटर को जानती है। वह वहां के ईसाई समुदाय का हिस्सा है।

वह घर का हिस्सा है। और यह गुलामी की अनदेखी नहीं है, बल्कि यह कहना है कि यह संस्कृति का हिस्सा था। प्राचीन भूमध्यसागरीय दुनिया के अधिकांश लोगों की तुलना में रोडा विशेष रूप से खराब स्थिति में नहीं था, जिनमें से 70 से 90 प्रतिशत ग्रामीण किसान थे जो निर्वाह किसान थे या जो अन्य लोगों की संपत्ति पर काम करते थे।

12, 14 से 16 तक, ईश्वर की कृपा से विश्वास सीखना। कभी-कभी वह वैसे भी हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देता है, तब भी जब हमें उतना विश्वास नहीं था जितना होना चाहिए था। संभवतः उनकी प्रार्थनाओं के बावजूद, जेम्स को फाँसी दे दी गई थी।

लेकिन उनकी प्रार्थना सभा के उद्देश्य पर गौर करें। अध्याय 12 और पद 5 में, चर्च पतरस के लिए प्रार्थना कर रहा है। वे उनकी रिहाई के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

तो, क्या होता है जब भगवान उसे रिहा कर देते हैं? वे वास्तव में इसकी उम्मीद नहीं कर रहे थे। वे आश्चर्यचकित हैं। रोडा दरवाजे पर आती है।

पीटर दस्तक दे रहा है। वह दरवाजे पर आती है। वह देखती है कि यह पीटर है।

और वह बहुत उत्साहित है, वह वापस भागती है और दूसरों को बताती है जबकि पीटर अभी भी दरवाजे पर है। और उन्होंने उस पर अविश्वास किया, ठीक वैसे ही जैसे ल्यूक अध्याय 24 में शिष्यों ने कब्र पर महिलाओं पर अविश्वास किया था। वे कहते हैं, यह उसका भूत है।

मेरा मतलब है, सबसे पहले, वे कहते हैं, तुम पागल हो, जो उन्होंने कब्र पर मौजूद महिलाओं के लिए भी कहा था। वे कहते हैं, यह उसका भूत है। यह उसका देवदूत है।

ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने सोचा था कि ल्यूक अध्याय 24 में यीशु एक भूत था। खैर, कुछ लोकप्रिय परंपराएँ थीं जिनमें धर्मी लोग मृत्यु के बाद स्वर्गदूतों की तरह बन जाते थे। लेकिन विडम्बना यह है कि अभी-अभी एक देवदूत ने पतरस को छुड़ाया था।

और यह असली पीटर था। लेकिन ऐसा नहीं था कि कथा उनके विश्वास की निंदा कर रही है, हालाँकि यह उनके विश्वास की कमी पर हँस रही हो सकती है। क्योंकि पतरस ने शुरू में खुद नहीं सोचा था कि उसे स्वर्गदूत द्वारा रिहा किया जा रहा है।

उसने सोचा कि वह कोई दर्शन देख रहा है, जब तक कि वह ठंडी रात की हवा में बाहर नहीं निकल गया और एक सड़क पर उतर गया और उसे एहसास हुआ, ओह, यह वास्तव में हो रहा है। इसलिए, पीटर ने स्वयं इस पर विश्वास नहीं किया था, भले ही वह उस समय इससे गुजर रहा था। शायद उसे जागने में थोड़ा समय लगा।

लेकिन किसी भी स्थिति में, इस बीच, पीटर गेट पर जोर-जोर से प्रहार कर रहा है। अब, ध्यान रखें कि पड़ोस में संभवतः अन्य कुली भी थे। यरूशलेम के ऊपरी नगर में बहुत से लोगों के द्वारों पर पहरूए थे।

तो, कोई और बाहर देख सकता है और देख सकता है कि उनके दरवाजे पर कौन दस्तक दे रहा है। यह एक तरह की खतरनाक स्थिति है, है ना? परन्तु प्रभु इसका ध्यान रखता है। खैर, पीटर ने उन्हें बताया कि जब आखिरकार उन्होंने उसे अंदर जाने दिया तो क्या हुआ।

रोडा ही एकमात्र ऐसी व्यक्ति है जो वास्तव में शुरू में इस पर विश्वास करती थी, ठीक वैसे ही जैसे कब्र की महिलाएं ही थीं जिन्होंने शुरू में इस पर विश्वास किया था। अध्याय 12 और पद 17. जेम्स, वस्तुतः जैकब।

यह एक बहुत ही सामान्य यहूदी नाम था। यह वही जेम्स नहीं है जिसका सिर अध्याय 12 और श्लोक 2 में काटा गया था। अच्छा होता यदि उसका सिर वापस बड़ा हो जाता, लेकिन नहीं, यह वही जेम्स नहीं है। यह वही जेम्स है जो बाद में अधिनियमों के अध्याय 15 और पद 13 में प्रकट होता है।

और ऐसा लगता है कि यह मान लिया गया है कि ल्यूक के आदर्श दर्शकों ने जेम्स के बारे में पहले ही सुन लिया है। इसलिए उनका परिचय कुछ विशेष ढंग से कराने की जरूरत नहीं है। प्रथम कुरिन्थियों 15.7 और गलातियों 2.9। यह यीशु का छोटा भाई था।

वह धर्मपरायणता के लिए अत्यधिक प्रतिष्ठित थे। बाद में जब वह शहीद हुए तो येरुशलम के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। और विशेष रूप से वे लोग जो कानून के प्रति सबसे अधिक समर्पित थे, संभवतः फरीसियों ने, जेम्स की फाँसी का विरोध किया।

इसका क्या मतलब है? खैर, पीटर, ऐसे लोग भी हो सकते हैं जो पीटर से नाराज़ हों। वह चला गया है और खतनाहीन अन्यजातियों के साथ खा गया है। यह बात शायद चारों ओर फैल गई, लेकिन जेम्स शायद अग्रिप्पा के साथ सुरक्षित है।

लोग शायद यह नहीं चाहेंगे कि जेम्स को फाँसी हो। और इससे चर्च को मदद मिलेगी क्योंकि जेम्स ऐसा व्यक्ति था जो पहले से ही एक बहुत ही रूढ़िवादी यरूशलेम संस्कृति की पहचान कर रहा था। और ये शायद उनकी परवरिश का भी हिस्सा था।

अध्याय 12 श्लोक 18 और 19। अग्रिप्पा इतना अहंकारी है कि वह दूसरों को मौत की सजा देने को तैयार है, लेकिन वह पूजा स्वीकार करता है और शापित है। वह जानकारी के लिए गार्डों की जांच करता है, शायद यातना के तहत।

मैं दासों के बारे में सोच रहा था क्योंकि दास रोमन कानून और यूनानी प्रथा के तहत भी थे, अक्सर यातना के तहत उनकी जांच की जाती थी। इसलिए, वह उनकी जांच करता है और फिर वह उन्हें निष्पादित करता है क्योंकि उसे इन चार रक्षकों के अलावा किसी और को दोषी नहीं पाया जा सकता है। उन्होंने लापरवाही बरती होगी।

यह एक पूंजीगत मामला था। बड़े मामलों में, रोमन सैनिक जो रक्षक थे, यदि वे कैदी को भागने देते तो उन्हें लापरवाही के लिए फाँसी दी जा सकती थी। और वास्तव में, आपको यह मान लेना चाहिए कि यह मिलीभगत है।

सभी गार्डों ने सहयोग किया होगा क्योंकि उनमें से दो को पीटर से जंजीर से बांध दिया गया था और जंजीरें खोल दी गई थीं। और तब ये अन्य दो बाहर थे और उनके देखे बिना पतरस के आगे बढ़ने का कोई रास्ता नहीं था जब तक कि परमेश्वर ने इसे इस तरह से व्यवस्थित नहीं किया और ऐसा नहीं किया कि वे उसे न देख सकें। और यह कोई स्पष्टीकरण नहीं है जिसके लिए वह जाने वाला है।

खैर, जब यह कहा जाता है कि उसने गार्डों को मार डाला, तो इसका मतलब 16 की पूरी टीम नहीं है। इसका मतलब सिर्फ उन चार से होगा जो उस समय ड्यूटी पर थे। लेकिन आप उसका अहंकार देखिये।

वह दूसरों को मौत की सजा दे रहा है। और अब इस कथा के खत्म होने से पहले, भगवान उसे मृत्युदंड देने जा रहे हैं। अध्याय 16 और पद 27, आपको याद है जब फिलिप्पी का जेलर अपनी तलवार से मरने के लिए तैयार था।

अध्याय 27, श्लोक 42 में, जहां सैनिक कैदियों को मारना चाहते हैं ताकि वे भाग न जाएं क्योंकि यह उनके लिए जोखिम भरा है। अब उन दोनों मामलों में, भले ही उन्हें फाँसी नहीं दी गई हो, लेकिन यह अभी भी एक जोखिम था। हालाँकि, इस मामले में, हेरोदेस अग्रिप्पा बहुत अच्छा व्यक्ति नहीं है।

वह इन गार्डों को दोषी ठहराने में सक्षम होकर अपने स्वयं के सम्मान को बचाता है, जिनके बारे में वह मानता है कि वे दोषी होंगे और उन्हें निष्पादित करेंगे। श्लोक 20 में, टायर और सिडोन का एक दूतावास उनसे संपर्क करता है। वे टायर और सिडोन में भोजन के लिए आयात पर निर्भर थे।

मुख्य भूमि पर टायर का कुछ हिस्सा था, लेकिन इसका अधिकांश भाग अभी भी एक द्वीप राज्य था जिसे द्वीप पर फिर से बनाया गया था। और फिर उनके बीच अभी भी एक रैंप था जिसे पहले सिकंदर महान ने बनवाया था। लेकिन उन्होंने अपने लिए पर्याप्त भोजन नहीं जुटाया।

वे अपने भोजन के लिए आंशिक रूप से यहूदिया पर निर्भर थे। और अग्रिप्पा ने इसमें से कुछ को रोक रखा था। और इसलिए अब उन्हें आकर उससे बहुत चापलूसी से बात करने की ज़रूरत थी इत्यादि।

जोसेफस हमें बताता है कि यह वास्तव में कैसरिया के थिएटर में हुआ था। इसलिए, वह इस बिंदु पर कैसरिया वापस चला गया है जहां यहूदिया की रोमन राजधानी थी, भले ही वह सामान्य रूप से यरूशलेम में रहता था। अग्रिप्पा को अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना पसंद था जैसा कि वह पद 21 में करता है।



ल्यूक ने अपने शाही वस्त्रों का उल्लेख किया है। उनका उल्लेख जोसेफस ने भी किया है जो उनके वैभव पर जोर देता है। एक अन्य अवसर पर अग्रिप्पा के आत्म-प्रदर्शन के कारण अलेक्जेंड्रिया में यहूदी-विरोधी दंगे हुए।

जोसेफस ने कैसरिया के थिएटर में इस विशेष दृश्य को चित्रित किया है। उस थिएटर का निर्माण उनके दादा हेरोदेस महान ने करवाया था। और इस थिएटर की नींव आज भी कायम है।

और यह एक विशेष अवसर था जहां वे एकत्र हुए थे। यदि हम पाठों को सही ढंग से समझें तो संभवतः यह सम्राट का जन्मदिन था। जोसीफस का कहना है कि अग्रिप्पा अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा था और उसके चापलूस एक देवता के रूप में उसकी प्रशंसा करते थे जो कि ग्रीक पूर्व में आम बात थी।

खैर, वह गयुस कैलीगुला का मित्र था, गयुस कैलीगुला अब मर चुका था। क्लॉडियस सम्राट था, लेकिन गयुस कैलीगुला वह सम्राट था, जिसने यरूशलेम में मंदिर में अपनी छवि स्थापित करने और भगवान के रूप में पूजा की मांग करने की कोशिश की थी। और अग्रिप्पा ने इसे हतोत्साहित किया था, ऐसा हमें बताया गया है।

लेकिन इस बिंदु पर, अग्रिप्पा, जाहिर तौर पर उसकी शक्ति उसके सिर पर चली गई है। वह प्रशंसा किए जाने या चापलूसी किए जाने पर इस तरह खुश होता है मानो वह स्वयं कोई भगवान हो। याद रखें, वह लोगों को खुश करना पसंद करता है और ये अन्यजाति हैं।

लेकिन यहां तक कि जर्मेनिकस, जो एक प्रसिद्ध जनरल था जब वह अलेक्जेंड्रिया में था और लोग उसे भगवान के रूप में सम्मानित करते थे, ने भी इस तरह की प्रशंसा को नजरअंदाज कर दिया। सम्राट को छोड़कर हर किसी को ऐसी प्रशंसा से बचना चाहिए था। दरअसल, बादशाह नहीं चाहेंगे कि कोई इस तरह की तारीफ स्वीकार करे।

उन्होंने इस मामले में सम्मान को ठेस नहीं पहुंचाई। और जोसेफस का कहना है कि वह तुरंत गिर गए, 84 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई, क्षमा करें, 54 वर्ष की आयु में पांच दिनों के पेट दर्द के बाद उनकी मृत्यु हो गई। आंत्र रोगों और कीड़ों से होने वाली मृत्यु को विशेष रूप से भयानक माना जाता था।

इसे अत्याचारियों के लिए उपयुक्त मृत्यु माना गया। और हमारे पास ऐसे अत्याचारियों की कुछ अन्य कहानियाँ हैं जो इस तरह से मरे। लेकिन जोसेफस और ल्यूक दोनों अग्रिप्पा की भयानक मौत की बात करते हैं।

ल्यूक का कहना है कि उसे कीड़ों ने खा लिया और वह मर गया। तो, अग्रिप्पा, जिसने जीवन और मृत्यु की शक्ति का प्रयोग किया, और पीटर को मारना चाहता था, पीटर जीवित बच गया, और अग्रिप्पा मर गया। जिसके पास वास्तव में जीवन और मृत्यु की शक्ति है वह वह है जो हमारे सिर के हर बाल को जानता है।

हमें डरने की जरूरत नहीं है। जब, आप जानते हैं, यदि हम सुसमाचार की सेवा में मर जाते हैं, तो हम भरोसा कर सकते हैं कि हम भगवान के हाथों में हैं। वह हमारे साथ हैं और वह उस समय भी हमारे साथ रहेंगे।

और यदि वह हमें बचाता है, तो वह हमें बचाता है और हम उसमें आनन्द भी मनाते हैं। किसी भी तरह, हम जानते हैं कि वह प्रभारी है। अध्याय 12, श्लोक 25 से अध्याय 13 तक श्लोक 3 में, अन्ताकिया मिशनरियों को भेजता है।

यहूदी धर्म में यह कोई आम प्रथा नहीं थी। यात्री अपने यहूदी विश्वास का संदेश अपने साथ ले जाते थे। उनमें से कई इसे फैलाने में प्रसन्न होंगे, लेकिन उन्होंने वास्तव में मिशनरियों को नहीं भेजा।

परन्तु स्मरण रखो, तरसुस के शाऊल के पास यह बुलाहट है जो परमेश्वर ने उसे दी है। बरनबास इसके बारे में जानता है। और इस मामले में, इस समय, उन्हें चर्च द्वारा बाहर भेजने का समय आ गया है।

श्लोक 8 में अध्याय 1 के बावजूद, यहूदी प्रेरित इस समय भी यरूशलेम में थे। हम अभी भी उनके बारे में अध्याय 15 के छंद 6 में सुनते हैं। वे उम्मीद कर रहे हैं कि यह काम करेगा। सुसमाचार यरूशलेम से फैलेगा और अन्यजाति परमेश्वर की व्यवस्था प्राप्त करने के लिए यरूशलेम आएंगे, या कम से कम यरूशलेम से इसके बारे में सुनेंगे।

लेकिन अन्ताकिया गैर-यहूदी मिशन में विशेष रूप से सफल रहा था। अध्याय 11, श्लोक 19 से 26 तक। उनके पास इसके लिए एक विशेष दृष्टिकोण था।

वे इसकी पुष्टि कर सकते हैं। अध्याय 12, पद 25. बरनबास और शाऊल के लिए यरूशलेम से अन्ताकिया की वापसी यात्रा, जिन्होंने यरूशलेम को कुछ प्रदान किया था।

और निस्संदेह, इसने कुछ रहस्य छोड़ दिया क्योंकि शायद वे तब भी वहां थे जब अग्रिप्पा लोगों को मार रहा था। लेकिन उनके लिए अन्ताकिया की वापसी यात्रा लगभग 400 मील थी। वह एक महत्वपूर्ण यात्रा थी।

प्राचीन शिक्षकों के लिए शिष्यों को अपने साथ ले जाना प्रथा थी। और बरनबास मरकुस नामक एक युवक को अपने साथ ले जाता है। शायद वह इस समय किशोर था।

पुनः, 13 के आसपास, इस अवधि में अभी तक उनके पास बार मिट्ज्वा नहीं था, लेकिन 13 के आसपास या शायद उसके तुरंत बाद जब एक लड़का युवावस्था में प्रवेश करता था, तो उसे यहूदी हलकों और भूमध्यसागरीय दुनिया के अधिकांश हिस्सों में एक युवा व्यक्ति माना जाता था। रोम में, यह 15, 16, या ऐसा कुछ हो सकता है। लेकिन किसी भी मामले में, मार्क इस समय कहीं न कहीं किशोर रहा होगा।

समूहों में यात्रा करना अधिक सुरक्षित था। तो, उनमें से कई लोग जा रहे थे। वे किस बारे में बात कर रहे थे जिस तरह से हम नहीं जानते? लेकिन कम से कम रब्बी जो बहुत पवित्र थे, उन्होंने माना कि जब आप यात्रा कर रहे हों तो टोरा के बारे में बात करना अच्छा था।

और जब वे यात्रा कर रहे थे तो संभवतः उन्होंने बाइबल के बारे में और अपने जीवन में परमेश्वर के शक्तिशाली कार्यों और यीशु के वृत्तान्तों के बारे में बहुत सारी बातचीत की। संभवतः ल्यूक को यीशु के बारे में कुछ कहानियाँ उन बातों से मिलीं जो पॉल ने उसे बताई थीं, शायद अनुग्रह के बारे में कुछ दृष्टान्त इत्यादि। लेकिन किसी भी स्थिति में, अध्याय 13 और पद 1 में, वे अन्ताकिया में वापस आ गए हैं, और बरनबास और शाऊल चर्च के नेताओं, पर्यवेक्षकों में से हैं।

यहाँ के पर्यवेक्षक पैगम्बर और शिक्षक हैं। तो, केवल यरूशलेम से ही भविष्यवक्ता अन्ताकिया नहीं आ रहे थे, बल्कि आपके पास अन्ताकिया में कुछ भविष्यवक्ता और शिक्षक भी थे, कम से कम इस समय। हो सकता है कि पहले के कुछ पैगम्बर यहीं रुके हों।

और ये वे लोग थे जिन्होंने प्रभु का वचन भविष्यवाणी के द्वारा या उपदेश के द्वारा या दोनों के द्वारा सुनाया। विद्वानों ने इस बात पर बहस की है कि क्या ये सभी उनमें से सभी थे या उनमें से कुछ एक में मजबूत थे, उनमें से कुछ दूसरे में मजबूत थे। शिमोन और मेनैन।

मेनैन, मेनकेम का ग्रीक रूप है। यह एक यहूदी नाम है। शिमोन और मेनैन दोनों यहूदी नाम हैं, लेकिन शिमोन का उपनाम नाइजर है।

वह एक सम्मानजनक रोमन नाम था। वह संभवतः रोमन नागरिक रहा होगा। लेकिन इस मामले में, यह सिर्फ शिमोन नाइजर नहीं है, यह शिमोन है जिसे नाइजर कहा जाता है।

तो, यह एक उपनाम है। और जब इसे लैटिन में उपनाम के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, तो नाइजर का मतलब काला होता था। तो शायद यह शिमोन द डार्क जैसा है।

हो सकता है कि वह उत्तरी अफ्रीकी मत-मतान्तर हो, जो उत्तरी अफ्रीकी मत-मतान्तर का वंशज हो। किसी भी मामले में, वह यहूदी है। खैर, शिमोन नाम दिए जाने पर, संभवतः वह यहूदी पैदा हुआ था, लेकिन संभवतः सुदूर दक्षिण से धर्मांतरण करने वालों के लिए।

वह गहरे रंग का है। लुकियास। सरीन में बड़ी संख्या में यहूदी आबादी थी।

शायद सरीन का एक-चौथाई हिस्सा यहूदी था। तो सरीन के लुकियास यहूदी हो सकते थे। लुकियास आमतौर पर एक गैर-यहूदी नाम था, लेकिन प्रवासी यहूदी उस नाम का उपयोग करते हैं।

इसलिए, यह वास्तव में हमें यह नहीं बताता कि लुकियास की जातीयता क्या थी, लेकिन हम कम से कम भौगोलिक विविधता देखते हैं, जो महानगरीय एंटीओक के लिए सहायक थी। आपके पास एक नेतृत्व टीम थी जो जनसंख्या की कुछ विविधता को दर्शाती है। नेतृत्व टीम मुख्यतः जातीय

रूप से यहूदी है, भले ही वे अलग-अलग क्षेत्रों से हों, भले ही उनके पूर्वजों के यहूदी धर्म में परिवर्तित होने से पहले उनकी पृष्ठभूमि अलग-अलग रही हो।

लेकिन यह स्वाभाविक है क्योंकि वे कौन लोग होंगे जो टोरा को सबसे अच्छे से जानते होंगे, कौन धर्मग्रंथ को सबसे अच्छे से पढ़ाने में सक्षम होंगे? खैर, मनन बहुत दिलचस्प है क्योंकि उसका पालन-पोषण हेरोदेस के साथ हुआ था। इसका क्या मतलब है कि उसका पालन-पोषण हेरोदेस के साथ हुआ था? इसका मतलब यह हो सकता है कि वे एक ही गीली नर्स साझा करते थे। जो दास वारिस के साथ बड़े हुए, विशेषकर वे दास जो वारिस की नर्स के बच्चे थे, अक्सर बाद में मुक्त कर दिए जाते थे।

दास के रूप में भी वे दास धारक के साथ अपने संबंधों के कारण शक्तिशाली बने रहे। मेरा मतलब है, यदि आप सीज़र के गुलाम थे, तो सीज़र के गुलाम थे और विशेष रूप से सीज़र के मुक्त व्यक्ति जिनके पास कभी-कभी रोमन सीनेटर्स की तुलना में अधिक शक्ति होती थी। इसलिए, जब आप अमेरिका में गुलामी और दुनिया के कई अन्य हिस्सों में कई अन्य प्रकार की गुलामी के बारे में सोचते हैं तो यह एक बहुत ही अलग प्रणाली है।

लेकिन हो सकता है कि वह एक आज़ाद गुलाम रहा हो, लेकिन हो सकता है कि वह नहीं रहा हो। अन्य लड़कों को भी शाही दरबार में राजकुमारों के साथ पाला जा सकता था और उन्हें भी प्रमुखता प्राप्त होती थी। इस आख्यान से एक दशक पहले एंटीपास का पतन हो गया था।

तो, हेरोदेस अंतिपास, वास्तव में उसके साथ जो हुआ वह यह था कि उसकी पत्नी हेरोदियास, जब उसका भाई हेरोदेस अग्रिप्पा प्रथम राजा बना, तो उसने अपने पति, हेरोदेस से कहा, अब यह उचित नहीं है। मेरा भाई अभी यहाँ आया है और वह एक राजा के रूप में आया है, लेकिन आप पूरी पीढ़ी के लिए गलील और पेरिया के शासक रहे हैं। इसलिए, आपको सम्राट से राजा बनने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

और उन्होंने कहा कि यह वास्तव में एक अच्छा विचार नहीं है। रोमन साम्राज्य में चीजें इस तरह से काम नहीं करतीं। लेकिन उसने जिद की।

और अंत में, उसने सम्राट से प्रार्थना की और सम्राट ने कहा, जब तक मैं इसकी शुरुआत नहीं करता, कोई भी राजा बनने के बारे में बात नहीं करता। और उसने हेरोदेस अंतिपास को निर्वासित कर दिया और हेरोदियास उसके साथ चला गया। इसलिए, इस बिंदु तक वे सत्ता की अपनी स्थिति खो चुके थे।

इसलिए मेनैन के पास कोई मजबूत राजनीतिक संबंध नहीं है। हालाँकि, वह एक बहुत सम्मानित और संभवतः शिक्षित पृष्ठभूमि से आता है और वह हेरोदेस एंटीपास के बारे में सामग्री के लिए ल्यूक का स्रोत हो सकता है। हमें ल्यूक-एक्ट्स में हेरोदेस एंटीपास के बारे में कुछ विशेष सामग्री मिलती है, विशेष रूप से ल्यूक के सुसमाचार में जो कुछ अन्य सुसमाचारों में प्रकट नहीं होता है।

दिलचस्प बात यह भी है, वह हो सकता है, हमारे पास होशे की पत्नी, जो आना, होशे की पत्नी, हेरोदेस का प्रबंधक भी हो। तो, हेरोदेस एंटीपास के साथ कुछ आंतरिक संबंध थे। अब, हो सकता है कि ल्यूक ने ये बातें पॉल से ही सीखी हों, क्योंकि उसने ये बातें अन्य लोगों से सीखी थीं।

लेकिन किसी भी मामले में, ल्यूक के पास इस पर कुछ आंतरिक जानकारी है। ल्यूक अध्याय 13, श्लोक 2 और 3। नेता एक साथ उपवास कर रहे हैं। उपवास का प्रयोग आमतौर पर शोक या पश्चाताप के लिए किया जाता था।

कुछ यहूदी लोगों ने इसका उपयोग रहस्योद्घाटन की तलाश के लिए किया। यहां, वे प्रार्थना में भगवान की तलाश कर रहे हैं। मेरे जीवन में एक समय, कई वर्षों की विस्तारित अवधि के दौरान, मैं प्रत्येक सप्ताह एक दिन उपवास करना चाहता था, किसी विशेष मुद्दे पर नहीं, क्योंकि मेरे पास बहुत सारे मुद्दे थे।

मैं कभी भी खाना नहीं खा पाता, लेकिन सिर्फ भगवान की तलाश करता और भगवान के प्रति अपनी भक्ति को त्याग कर दिखाता। वह अलग-अलग प्रार्थनाएँ सुन रहा था क्योंकि मुझे इसकी चिंता नहीं थी, तुम्हें पता है, मुझे इस प्रार्थना के साथ उपवास करना होगा। बस मेरा अपने पिता के साथ एक रिश्ता है।

जब मैं प्रार्थना करता हूँ तो वह मेरी बात सुनता है और मैं अपनी भक्ति प्रदर्शित कर रहा हूँ। लेकिन किसी भी मामले में, वे प्रार्थना के साथ-साथ उपवास कर रहे हैं और पवित्र आत्मा बोलता है। अब, याद रखें, पवित्र आत्मा अक्सर भविष्यवाणी भाषण या पैगम्बरों से जुड़ा होता था।

तो यहाँ, आत्मा भविष्यवाणी की भावना का कार्य करती है। याद रखें, नेता भविष्यवक्ता और शिक्षक थे। तो शायद उनमें से एक ने भविष्यवाणी की थी कि पवित्र आत्मा कैसे बोलता है।

और आत्मा ने कहा, बरनबास और शाऊल को उस सेवकाई के लिये जिस के लिये मैं ने उन्हें बुलाया है, अलग कर दो। वे पहले ही प्रभु से सुन चुके थे। तो, यह उस बात की पुष्टि थी जो उन्होंने पहले ही सुन रखी थी।

ऐसा नहीं था, मुझे बस यह विचार आया, आपको यह करना होगा। खैर, कभी-कभी आपको किसी अन्य तरीके से अपनी पुष्टि के लिए इंतजार करना होगा। लेकिन यह कुछ ऐसा था जो प्रभु पहले से ही उनसे बोल रहे थे।

और यह अद्भुत है जब प्रभु हमें उन बातों की पुष्टि करते हैं जिनके बारे में हमें लगता है कि प्रभु ने हमसे बात की है। दूसरों को भी कभी-कभी ऐसा ही महसूस होता है। इस मामले में यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण था।

मेरा मतलब है, वे नेता थे। यहां मौजूदा, बढ़ते विश्वव्यापी चर्च में उनका एक सक्रिय मंत्रालय था। लेकिन अब उन्हें दूसरी जगहों पर काम शुरू करने के लिए भेजा जा रहा है, सीधे भेजा जा रहा है।

भेजने का मतलब शायद यह है कि उनका किराया चुकाया गया था, शायद एक तरह से क्योंकि वे अपने शुरुआती मिशन पर जा रहे थे, इस मामले में साइप्रस। अध्याय 13 छंद 4 से 12, साइप्रस के सूबेदार का मानना है, दूतों या दूतों के लिए दो लोगों द्वारा यात्रा करना प्रथागत था। और जैसा कि हमने पहले कहा, यदि आपके साथ कोई है तो यह अधिक सुरक्षित भी है।

टोरा के छात्र साथी रखना पसंद करते थे ताकि वे यात्रा करते समय उनके साथ अध्ययन कर सकें या यात्रा करते समय उनके साथ टोरा के बारे में बात कर सकें। आप जानते हैं, यह थोड़ा उबाऊ हो सकता है यदि आप केवल पैदल चल रहे हों और आपके पास बात करने के लिए कोई न हो। लेकिन रोमन सड़कें आमतौर पर अच्छी थीं और वे आम तौर पर सुरक्षित थीं, बशर्ते आप दिन के दौरान यात्रा कर रहे हों।

मुझे याद है नाइजीरिया में एक जगह हमने सुना था कि रात में लुटेरे आए थे और दुर्भाग्य से रात में कार खराब हो गई। और इसलिए, मेरे नाइजीरियाई दोस्त जो कार चला रहा था, ने कहा, ठीक है, मैं टायर बदलने जा रहा हूँ, लेकिन तुम बाहर जाओ और सुनिश्चित करो कि कोई हमें पीछे से न मारे क्योंकि हमारे पास पीछे की तरफ कोई लाइट नहीं है। वाहन बंद हो गया है। तो, हमें पता चला कि एक बतूरी, एक श्वेत व्यक्ति, इन परिस्थितियों में कुछ के लिए अच्छा था क्योंकि मेरी गोरी त्वचा, कार की हेडलाइट्स को प्रतिबिंबित करती थी।

और इसलिए, यह अच्छा था कि यह किसी चीज़ के लिए उपयोगी था और हमने इसे बनाया। लेकिन हम चिंतित थे, आप जानते हैं, हम अभी तक शहर तक नहीं पहुंचे थे और यह पहले से ही अंधेरा था। लेकिन दिन के दौरान यात्रा करना आम तौर पर सुरक्षित था।

दुनिया के इस हिस्से में यात्रा पहले से कहीं अधिक आसान थी या फिर दुनिया के इस हिस्से में आधुनिक काल के करीब आने तक यात्रा आसान थी। 13:4 में, उन्होंने अन्ताकिया से सेल्यूसिया तक यात्रा की, जो तट पर बंदरगाह शहर था। सेल्यूसिया पश्चिम में लगभग 15 मील या 24 किलोमीटर दूर था।

ओरोन्टेस नदी भी तट की ओर जा रही थी, लेकिन वे सड़क का सहारा ले सकते थे। सेल्यूसिया स्वयं एक बंदरगाह होने के साथ-साथ एक समृद्ध व्यापारी शहर भी था। इसकी मजबूत किलेबंदी थी।

इसके सामने चट्टानों वगैरह के कारण इसे ले जाना सचमुच कठिन होगा। साइप्रस उनके जाने के लिए एक स्वाभाविक जगह थी। बरनबास साइप्रस को जानता था।

याद रखें बरनबास एक साइप्रस है, अधिनियम 4:36। और वह सेल्यूसिया से समुद्र मार्ग से 60 मील, 95 किलोमीटर दूर था। खैर, 13:5 में, वे सलामिस आते हैं, जो स्वाभाविक है। जब वे साइप्रस आएंगे तो यह पहला स्थान होगा जहां वे आए होंगे।

सलामिस एक बहुत बड़ा शहर था, जहाँ संभवतः 100,000 से अधिक लोग रहते थे। इसमें एक बड़ा यहूदी समुदाय था, संभवतः कई आराधनालय थे। इसलिए, वे इन आराधनालयों में आकर बोलते हैं।

टोरा में कुशल अतिथि शिक्षकों को स्वाभाविक रूप से स्थानीय आराधनालयों में बोलने के लिए कहा जाएगा। मेरा मतलब है, आम तौर पर आप बस अपने आप को पा लेते हैं, लेकिन जब आपके पास आगंतुक होते हैं, और सलामिस में, आपके पास कई आगंतुक हो सकते हैं, जब आपके पास आगंतुक होते हैं यदि वे टोरा में कुशल होते हैं, तो मेरा मतलब है, यहां पॉल था। वह यरूशलेम से था और उसने यरूशलेम में गमलीएल के अधीन अध्ययन किया था।

यदि उन्होंने गमलीएल के बारे में नहीं सुना था, तो कम से कम वे इस बात का सम्मान करेंगे कि उसने यरूशलेम में एक कुशल शिक्षक के अधीन अध्ययन किया था। इसलिए, कुछ लोगों, अल्पसंख्यक विद्वानों ने कहा है, ठीक है, हम अधिनियमों की पुस्तक पर विश्वास नहीं कर सकते हैं जहां यह कहा गया है कि पॉल ने वास्तव में आराधनालयों में बात की थी क्योंकि पॉल ने कहा था कि उसका मिशन अन्यजातियों के लिए था। खैर, देखिए, रोमियों अध्याय 11 में, हम देखते हैं कि उसके पास यहूदी लोगों तक पहुँचने का भी एक दृष्टिकोण था।

रोमियों 9, उसने कहा कि वह उनके लिए मसीह से शापित होने को भी तैयार होगा, जैसे मूसा अपने लोगों के लिए अपना जीवन देने को तैयार था। मूसा ने कहा, किताब से मेरा नाम काट दो। निःसंदेह, भगवान इसकी अनुमति नहीं देगा।

लेकिन इससे भी अधिक सीधे तौर पर, 2 कुरिन्थियों अध्याय 11 में, पॉल कई बार 39 कोड़े मारे जाने की बात करता है। खैर, यह उस तरह की पिटाई थी जो आपको आराधनालय में मिली थी। इसलिए, पॉल ने, अपने मंत्रालय के दौरान, स्पष्ट रूप से आराधनालयों में समय बिताया।

वह आराधनालय समुदाय को अस्वीकार कर सकता था और कह सकता था, ठीक है, मैं एक रोमन नागरिक हूँ। मुझे इससे गुज़रने की ज़रूरत नहीं है। और रोमन कानून ने उसकी रक्षा की होती, लेकिन उसे यहूदी समुदाय से भी बाहर कर दिया गया होता।

यह तथ्य कि उसे इस तरह से पांच बार पीटा गया, हमें पता चलता है कि वह सभास्थलों में वापस जाता रहता है। निःसंदेह, उन सभी में उसे मार नहीं पड़ी, लेकिन वह आराधनालयों में वापस जाता रहा। इसलिए, पॉल के स्वयं के प्रत्यक्षदर्शी पत्र इस बात की पुष्टि करते हैं कि उसने वास्तव में, आराधनालयों में भाषण दिया था।

और बरनबास इस समय भी टीम का नेता प्रतीत होता है। वहाँ अभी भी बरनबास और शाऊल कहा जा रहा है। और इसलिए शायद वे दोनों बोले, हालाँकि ऐसा लगता है कि पॉल ने शायद अधिक वाक्पटुता से बोला है।

हम इसे अध्याय 14 में देखेंगे। दूसरी शताब्दी की शुरुआत में, साइप्रस यहूदी समुदाय ने सलामिस पर हमला किया और जवाबी कार्रवाई में, यहूदी समुदाय का सफाया हो गया। लेकिन पहली सदी में वहाँ एक बड़ा यहूदी समुदाय था।

13.6 में, यह कहा गया है कि उन्होंने यात्रा की। वे साइप्रस के पूर्वी भाग से पश्चिमी भाग की ओर यात्रा कर रहे थे। उन्होंने संभवतः नई दक्षिणी सड़क ली।

यह पुरानी उत्तरी सड़क से छोटी थी। और रास्ते में पड़ने वाले कुछ शहर जहां उन्होंने संभवतः आराधनालयों में प्रचार किया या किसी तरह से सेवा की। ल्यूक हमें बस यह संक्षिप्त सारांश दे रहा है।

आरंभिक चर्च के संपूर्ण मिशन के लिए उसके पास केवल एक ही खंड होगा। और यह वह जगह नहीं है जहां वह उनके साथ था। मार्ग में आने वाले शहरों में सिडियम, एमेथिस्ट और क्यूरियम शामिल हैं।

मैं वास्तव में इनका उच्चारण उस तरह नहीं कर रहा हूँ जिस तरह ग्रीक में इनका उच्चारण किया जाता। और कुछ अन्य चीजें मैं उस तरह से उच्चारित नहीं कर रहा हूँ जिस तरह से उनका उच्चारण किया जाना चाहिए था। लेकिन किसी भी मामले में, न्यू पाफोस।

पाफोस साइप्रस की प्रांतीय राजधानी थी। यह साइप्रस के उत्तर और पश्चिम में एक यूनानी बंदरगाह शहर था। और इसने यहूदिया के साथ कुछ व्यापारिक संबंध बनाए रखे।

अब, वहाँ एफ्रोडाइट का एक प्रसिद्ध मंदिर था। वह न्यू पाफोस में नहीं था। वह ओल्ड पाफोस में था, दक्षिण-पूर्व में लगभग सात मील या 11 किलोमीटर दूर।

लेकिन फिर भी, यह मुख्य रूप से बुतपरस्त क्षेत्र है। लेकिन उन्हें राज्यपाल के सामने लाया गया। और दिलचस्प बात यह है कि साइप्रस में न्यू पाफोस में एक महल की खुदाई की गई है।

ऐसा माना जाता है कि यह महल गवर्नर का है। तो हम वास्तव में कुछ जान सकते हैं कि वह कमरा कैसा दिखता था जहाँ पॉल और बरनबास को लाया गया था। वहाँ एक एपीएसई था जहाँ स्पष्ट रूप से एक बहुत ही महत्वपूर्ण कुर्सी थी, शायद जहाँ राज्यपाल अपने आदेश और निर्णय लेने के लिए बैठते थे, इत्यादि।

बहुत बड़ा कमरा. दीवार पर अकिलिस वगैरह के बारे में विभिन्न पौराणिक दृश्यों के भित्ति चित्र थे। तो, पर्यावरण बहुत बुतपरस्त है.

लेकिन इससे सुसमाचार नहीं रुकता। न ही यह तथ्य कि वहाँ कोई यहूदी जादूगर था। यहूदी जादूगरों को अक्सर रोमन साम्राज्य में सर्वश्रेष्ठ माना जाता था।

बेशक, धर्मग्रंथों में उनकी मनाही है और धर्मनिष्ठ यहूदियों के बीच उन पर अविश्वास किया जाता था। लेकिन चूँकि यहूदियों के बारे में माना जाता था कि उनके पास ईश्वर का छिपा हुआ नाम है, इसलिए जादू के क्षेत्र में अन्य लोग अक्सर उनका सम्मान करते थे। रोमन अभिजात वर्ग अक्सर थे, वे अक्सर दार्शनिकों को अपने दरबार में जोड़ते थे।

कभी-कभी वे दार्शनिकों को भी शामिल कर लेते थे। कभी-कभी वे ज्योतिषियों को भी बुला लेते थे। बाद में, फेलिक्स, जिनसे हम बाद में एक्ट्स की पुस्तक में मिलेंगे, यहूदिया के एक रोमन गवर्नर ने साइप्रस के एक यहूदी जादूगर से मित्रता की।



तो, हम जानते हैं कि इसके कुछ दशकों बाद या इसके एक दशक बाद भी साइप्रस में यहूदी जादूगर थे। सर्जियस पॉलस एक रोमन नागरिक था, लेकिन वह रोमन नागरिकों की पहली पीढ़ी थी जो वास्तव में पूर्व में रहते थे, जो सीनेटरियल वर्ग के सदस्य भी थे। सर्जियस पॉलस का परिवार एशिया माइनर के अंदरूनी हिस्से में रहता था।

तो, वह बड़ा हुआ, हां, एक रोमन नागरिक के रूप में, लेकिन पूर्व के कुछ विचारों से भी आकर्षित हुआ। और यहाँ उसे कोई मिल गया है जो यहूदी जादूगर है। यह एक तरह से आपके दरबार में एक मिस्री या फ़ारसी, एक फ़ारसी जादूगर, एक भारतीय बुद्धिमान व्यक्ति होने जैसा होगा।

ये लोग विशेष रूप से कुछ प्राचीन ज्ञान और कुछ प्राचीन रहस्यों के लिए प्रतिष्ठित थे, और उन्हें कभी-कभी कुछ अन्य लोगों द्वारा विदेशी माना जाता था, खासकर रोमन साम्राज्य के पश्चिमी भाग में। तो, उसके दरबार में यह यहूदी जादूगर है, 13:7 और 13:8। सर्जियस पॉलस स्पष्ट रूप से 45 वर्षों से, निश्चित रूप से 45 और 46 वर्षों में साइप्रस के समर्थक वाणिज्यदूत थे।

हमेशा की तरह, ल्यूक ने अधिकारी के विशिष्ट स्थानीय शीर्षक को सही कर दिया है। साइप्रस में, यह इस अवधि में समर्थक वाणिज्य दूत रहा होगा। सर्जियस पॉलस, हमारे पास इस अवधि में साइप्रस के समर्थक वाणिज्य दूत के रूप में उनका नाम प्रमाणित नहीं है क्योंकि हमारे पास साइप्रस के समर्थक वाणिज्य दूतावासों में से केवल एक-पांचवें के नाम हैं।

उनमें से अधिकांश हमसे खो गये हैं। तो, हमारे पास केवल 20% मौका था, पाँच में से एक मौका यह जानने का कि उसका नाम क्या था। और हम यहां प्रो-कंसल्स के नाम नहीं जानते हैं, लेकिन हम जानते हैं कि यह सर्जियस पॉलस के करियर के लिए उपयुक्त है।

और यह समझ में आता है कि वह पास के साइप्रस में प्रो-काउंसल रहा होगा, उसका परिवार एशिया माइनर के अंदरूनी हिस्से से था। यह उन अन्य बातों पर फिट बैठता है जो हम उसके करियर के बारे में जानते हैं और अन्य बातें जो हम उसके परिवार के सीनेटरियल परिवार के बारे में जानते हैं। 13.9, शाऊल, जिसे पॉल भी कहा जाता है।

खैर, उसका नाम यहाँ क्यों प्रस्तुत करें? प्रेरितों के काम की पुस्तक को पहली बार सुनने वालों के लिए, इसमें कुछ रहस्य रहा होगा। ओह, क्योंकि अब तक वे पता लगा रहे हैं, ओह, यह पॉल ही होगा। लेकिन शुरुआत में, उन्हें शायद इसका पता नहीं चला होगा।

हालाँकि उनकी रूपांतरण कहानी इतनी व्यापक रूप से ज्ञात थी, फिर भी उन्होंने इसका पता लगा लिया होगा। लेकिन एक और कारण है कि इसका उल्लेख सबसे पहले यहां क्यों किया गया है। रोमन नागरिकों के तीन नाम थे, त्रिया नॉमिना, और रोमन संज्ञा, जो कि पॉल होगा।

यह सामान्यतः एक संज्ञा थी। पॉलस छोटे के लिए लैटिन था। इससे संभवतः उसकी पहचान एक रोमन नागरिक के रूप में होती है।

हम जिनके बारे में जानते हैं उनमें से लगभग हर कोई जिसका नाम पॉल था, एक रोमन नागरिक था। आमतौर पर, यहूदी माता-पिता उन्हें देना नहीं चाहेंगे, ठीक है, कभी-कभी वे अपने बच्चों को रोमन नाम भी देते हैं, लेकिन हम पॉलस के इस तरह इस्तेमाल किए जाने के बारे में नहीं जानते हैं। आम तौर पर, यरूशलेम या उस जैसी किसी जगह पर यह नाम रखना अच्छा नहीं होगा।

और भले ही शाऊल मूल रूप से टार्सस से था, रोमन उपनाम का सामान्य अर्थ यह होगा कि रोमन उपनाम पॉल का सामान्य अर्थ यह होगा कि वह एक नागरिक था। उसका रोमन नाम उसके यहूदी नाम के समान लगता था। उनकी आवाज़ एक जैसी होना या कभी-कभी एक ही मतलब होना आम बात थी, लेकिन इस मामले में, एक जैसी ध्वनि।

अरामी में शाऊल, ग्रीक में साउलस और लैटिन में पॉलस। वैसे, सॉलस का आविष्कार शायद उसके लिए नहीं किया गया होगा क्योंकि भले ही यह एक बेनजामाइट के लिए एक बड़ा नाम था, जिसे हम पॉल के स्वयं के पत्रों से जानते हैं कि वह वही था, यह ग्रीको-रोमन दुनिया में सबसे अच्छा नाम नहीं था जहां सौलस का आशय बहुत ही नकारात्मक था। इसलिए, उसके लिए पॉल नाम का उपयोग करना अधिक तर्कसंगत है, खासकर जब वह रोमन परिवेश में हो।

तो, अब जब वह रोमन परिवेश में है, तो यह उसके रोमन नाम में बदल जाता है और यह एक अच्छा संबंध बनाता है क्योंकि पॉलस सर्जियस पॉलस से बात कर रहा है। अध्याय 13, श्लोक 10 और 11 में, यहूदी जादूगर, एल्मास बार्गिसिस, बरनबास और शाऊल, अब, पॉल और बरनबास के संदेश के खिलाफ बोल रहा है। पॉल इस मुठभेड़ में बढ़त लेता है और इसके बाद, आम तौर पर पॉल और बरनबास होते हैं।

और वह अंधा हो गया और पॉल ने फैसला सुनाया। वह कहता है कि तुम एक सीज़न के लिए अंधे हो जाओगे। खैर, पॉल जानता है कि यह कैसे काम करता है क्योंकि यह उसके साथ भी हुआ था।

और यह भी, कि यह आदमी अन्धा था, और पौलुस भी पहले अन्धा था। आलंकारिक या आध्यात्मिक अंधापन और शारीरिक अंधापन पर नाटक, आपके पास यह पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं में है, आपके पास यह ग्रीक नाटककारों में है, इत्यादि। तो, यह असामान्य नहीं है, लेकिन वह कहते हैं, आप एक सीज़न के लिए अंधे हो जायेंगे।

और वह उसे शैतान का बेटा कहता है। खैर, यह भी विडम्बना ही है क्योंकि यह बर्जेसस था, जिसका अर्थ था यीशु का पुत्र। यीशु कुछ हद तक सामान्य नाम था।

पुराने नियम में यह जोशुआ नाम है। ग्रीक में, यह यीशु के रूप में आता है। तो, वह वास्तव में यीशु का पुत्र नहीं है।

वह वास्तव में शैतान का बेटा है। और वह अपना सबक सीखने के लिए एक सीज़न के लिए अंधा हो जाएगा। इसे हम शक्ति मुठभेड़ कहते हैं।

इस जादूगर ने दावा किया था कि उसके पास अलौकिक शक्ति है, लेकिन वास्तविक शक्ति, ईश्वर की शक्ति उससे कहीं अधिक बड़ी है। और मैं यहां शक्ति मुठभेड़ों के बारे में कुछ टिप्पणियाँ

करने जा रहा हूँ। मेरे बहनोई, इमैनुएल मुसुंगा, ब्रेज़ाविल विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर हैं।

उन्होंने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। एक फ्रांसीसी विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र में, जैसे मेरी पत्नी ने पीएच.डी. की है। एक फ्रांसीसी विश्वविद्यालय से इतिहास में। और इमैनुएल एक महान व्यक्ति हैं। और मुझे उस पर बहुत भरोसा है।

और वह एक वैज्ञानिक है। उन्होंने वैज्ञानिक लेख प्रकाशित किए हैं। वह बहुत चतुर आदमी है।

इमैनुएल कांगो के इवेंजेलिकल चर्च में अपने चर्च में संडे स्कूल भी पढ़ाते हैं। उन्होंने मुझे अपने कुछ छात्रों के साथ घटी घटना के बारे में बताया। ये तीन लड़के थे जो हमेशा एक साथ रहते थे।

और एक समय, उनमें से एक बहुत बीमार हो गया। और कुछ महीनों के बाद उनकी मृत्यु हो गई। और फिर अगला बहुत बीमार पड़ गया।

और करीब एक महीने बाद उनकी मृत्यु हो गई। और तुरंत, तीसरा बीमार पड़ गया। और इसी समय, तीसरा संडे स्कूल के शिक्षकों के पास आया और बोला, मुझे चाहिए कि आप मेरे लिए प्रार्थना करें।

हम तीनों आपस में सहमत थे और जिस व्यक्ति ने हमें बताया था कि हमें अलौकिक शक्ति प्राप्त होगी, उसने हमें बताया था कि हमें अपने समूह के बाहर किसी को भी नहीं बताना था। नहीं तो हम सत्ता खो देंगे। जादू काम नहीं करेगा।

लेकिन हम सड़क पर इस आदमी से मिले, और वह हमारा कुछ खून लेना चाहता था। उन्होंने कहा कि यदि आप हमारा थोड़ा सा खून ले लें तो हममें से प्रत्येक को अलौकिक शक्ति प्राप्त हो जाएगी। हम सरकार के मंत्री या कुछ भी बन जायेंगे।

और सबसे बड़ा बीमार पड़ गया क्योंकि उसे एक बुरा सपना आया कि वही आदमी आया और उसी चाकू से उस पर वार कर दिया। वह बीमार पड़ गये और कुछ महीनों के बाद उनकी मृत्यु हो गयी। जिस रात उनकी मृत्यु हुई, दूसरे व्यक्ति को भी वही दुःस्वप्न आया और वह बीमार पड़ गया।

और जिस रात उनकी मृत्यु हुई, तीसरे को भी वही दुःस्वप्न आया और उसने कहा, यह उस तरह से काम नहीं कर रहा है जिस तरह से करना चाहिए था, और उसने आकर संडे स्कूल के शिक्षकों से प्रार्थना करने के लिए कहा। इसलिए, मेरे जीजाजी और संडे स्कूल के अन्य शिक्षक एक साथ आए, और उन्होंने नौ दिनों तक दिन में प्रार्थना की और उपवास किया। और फिर उन्होंने जाकर उसे इससे मुक्ति दिलाने के लिए प्रार्थना की और उसे मुक्ति मिल गई।

और आखिरी बार मैंने इमैनुएल से बात की, वह लड़का, जो अब एक जवान आदमी है, अभी भी ठीक है। मेरे परिवार और मेरी अप्रत्याशित मुलाकात हुई थी, जहां एक पेड़ जड़ से टूट गया था और हमें ठीक उसी जगह शाप दिया गया था, जहां हम खड़े थे। मैं वर्षों तक समझ नहीं पाया कि

ऐसा कैसे हो सकता है, जब तक कि एक दिन मैं अय्यूब अध्याय 1 पढ़ रहा था और मैंने कहा, ओह, शैतान के पास घरों और उस जैसी चीजों को उड़ाने की शक्ति है।

लेकिन भगवान ने हमारी रक्षा की। मैं वास्तव में इस बारे में अपनी कहानियाँ बताना पसंद नहीं करता क्योंकि वे सुखद नहीं हैं, इसलिए मैं मुख्य रूप से अन्य लोगों की कहानियाँ बताने पर ध्यान केंद्रित करूँगा। लेकिन दक्षिण अफ्रीका के एक भारतीय बैपटिस्ट, मेरे एक अच्छे दोस्त, उस सेमिनरी में एक सहकर्मी, जहाँ मैं पहले पढ़ाता था, डॉ. रॉडनी रैगवान ने मुझे अपने दादा की एक कहानी सुनाई।

उसने इसे अपने पिता से सुना था, और जब मैं चमत्कारों पर किताब पर काम कर रहा था और इस तरह की चीजों पर एक परिशिष्ट बना रहा था, तो रॉडनी ने मेरे लिए अपने पिता से संपर्क किया ताकि हम वहाँ मौजूद लोगों में से एक से सीधे कहानी प्राप्त कर सकें।, चश्मदीदों में से एक। उनके दादा डरबन में एक भारतीय बैपटिस्ट थे और बाजार में उनकी मुलाकात किसी से हुई जिन्होंने कहा, अच्छा, मैं तुम्हें दिखाने जा रहा हूँ कि मेरी आत्मा बहुत शक्तिशाली है। मेरी आत्मा आज रात आधी रात के आसपास आपसे मिलने आने वाली है, और आप देखेंगे कि मेरी आत्मा आपके पास मौजूद किसी भी चीज़ से अधिक शक्तिशाली है।

उस रात, परिवार लगभग 11:45 तक प्रार्थना और उपवास कर रहा था, और लगभग 20 मिनट तक उन्होंने घर के चारों ओर बड़े पैमाने पर कदमों की आवाज़ सुनी। रॉडनी के पिता को यह बात बहुत विस्तार से याद थी। यह ऐसी चीज़ है जो आपकी स्मृति में बनी रहेगी, है ना? लेकिन फिर कुछ नहीं हुआ, और अगले दिन बाजार में, उस व्यक्ति ने रॉडनी के दादाजी के सामने स्वीकार किया कि उसकी आत्माएँ अंदर नहीं आ सकतीं।

प्रभु ने अपने लोगों की रक्षा की। कई आध्यात्मिक अभ्यासकर्ताओं को शक्ति मुठभेड़ों के माध्यम से परिवर्तित किया गया है। इंडोनेशिया में यह आम बात है।

फिलीपींस में यह आम बात है। मैंने दोनों स्थानों पर व्याख्यान दिया है। दक्षिणी अफ्रीका में यह आम बात है।

इंडोनेशिया में टांडी रांडा, जिसका मैंने पहले उल्लेख किया था, जादू टोने के हमलों से सुरक्षित थे, जिनका इस्तेमाल दूसरों को मारने के लिए किया गया था। हर किसी को उम्मीद थी कि वह मर जाएगा, लेकिन उसे कोई नुकसान नहीं हुआ। जादू-टोना करने वाले ने पश्चाताप किया और मसीह को स्वीकार कर लिया।

यहाँ एक दृश्य है जहाँ वे जादू-टोने की वस्तुएँ जला रहे हैं। और वैसे, ऐसा नहीं है, आप जानते हैं, कभी-कभी लोग पारंपरिक हर्बलिस्ट या कुछ और को डायन कहते हैं। जरूरी नहीं कि यह हमेशा सही हो।

लेकिन ये वे लोग हैं जो डायन होने का दावा करते हैं, जो लोगों को मारने के लिए शाप का उपयोग करने का दावा करते हैं। तो, 12 साल बाद भी वह ठीक है। उसे कुछ नहीं हुआ है।

यहां 20:11 में एक तस्वीर है जहां वे उन जादूगरों को बपतिस्मा दे रहे हैं जिन्होंने इंडोनेशिया के एक पहाड़ी इलाके में अपनी पुनरुद्धार बैठकों के दौरान धर्म परिवर्तन किया था। अध्याय 13, श्लोक 13 से 41 तक, पिसिडियन अन्ताकिया में पॉल का उपदेश। और मैं इसकी पृष्ठभूमि से शुरुआत करने जा रहा हूं।

अध्याय 13, श्लोक 13 से 1426 तक, पॉल और बरनबास ने कई शहरों का दौरा किया। ये सभी वाया ऑगस्टा के किनारे हैं। आप इसे ऑगस्टस हाईवे कह सकते हैं।

ग्रीक में, यह वाया सेबस्ट, ऑगस्टस हाईवे था। इसका निर्माण इससे लगभग आधी शताब्दी पहले किया गया था, आंशिक रूप से क्योंकि रोम यह सुनिश्चित करना चाहता था कि उसकी सेनाएँ एशिया के अंदरूनी हिस्सों में तेज़ी से आगे बढ़ सकें। अध्याय 13 और पद 13, चूंकि वे पाफोस से सीधे उत्तर की ओर एशिया माइनर के दक्षिणी तट तक सीधे या बहुत करीब से रवाना हुए, वे संभवतः अटालिया में उतरे, जो पिर्गा के लिए मुख्य बंदरगाह था।

और फिर उन्होंने संभवतः सड़क मार्ग से यात्रा की। संभवतः नदी कुछ हद तक नौगम्य थी, लेकिन फिर भी आपको नदी से सड़क मार्ग से यात्रा करनी होगी। इसलिए, यदि उनमें से एक से अधिक थे, तो यह समझ में आता है कि उनके लिए सड़क मार्ग से यात्रा करना उचित था।

उन्होंने पेरगा से 10 मील या 16 किलोमीटर उत्तर की ओर सड़क मार्ग से यात्रा की। पेर्गा इस नदी के संभवतः नौगम्य जल से भी पाँच मील दूर था। पाठ कहता है, यह पैम्फिलिया में पेरगा है।

इस अवधि में पैम्फिलिया पैम्फिलिया लिसिया जिले का हिस्सा था। इसलिए ल्यूक ने क्षेत्र का सही वर्णन किया है। यह 43 वर्ष से लेकर लगभग 68 वर्ष तक पैम्फिलिया लिसिया का हिस्सा था, निश्चित रूप से इसी समयावधि के दौरान।

पेरगा तट पर एक बहुत ही महत्वपूर्ण शहर था। इसमें 100,000 से अधिक लोग रहे होंगे। खैर, फिर वे शुरू करते हैं, फिर उन्होंने संभवतः वाया सेबस्ट, ऑगस्टस राजमार्ग के साथ उत्तर-पूर्व की यात्रा की।

कुछ अन्य रास्ते भी थे जिन्हें वे अपना सकते थे, लेकिन वह सबसे अच्छा था। और जहां वे यात्रा कर रहे थे उसके लिए यह सबसे अधिक संभावना है। अब, वे आंतरिक क्षेत्र की यात्रा क्यों करेंगे? यहां, पेरगा में संभवतः 100,000 से अधिक लोग हैं, लेकिन ल्यूक 13:14 में पिसिडिया के पास एंटीओक के साथ जो हुआ उसकी कहानियां सुना रहा है।

पिसिडिया के पास एंटीओक, जिसे ओरोन्टेस के पास पहले सीरियाई एंटीओक के साथ भ्रमित नहीं होना चाहिए, जिसके बारे में हमने बात की थी, वह पेर्गा या तट के साथ अन्य शहरों जितना बड़ा नहीं था। यह एक रोमन उपनिवेश था क्योंकि, फिर से, जब रोम उपनिवेश स्थापित कर रहे थे तो वे रास्ते में दिग्गजों को तैनात करना चाहते थे क्योंकि यह एशिया माइनर के अंदरूनी हिस्सों को पिछली पीढ़ी में उस समय सुरक्षित रखने का एक तरीका था जब यह बहुत सुरक्षित नहीं था। . वहां 5,000 उपनिवेशवादी थे, जो वहां रहने वाले दिग्गजों के वंशज थे, साथ ही उपनिवेशवादियों के अलावा अन्य लोग भी थे।

लेकिन फिर भी, कुछ तटीय क्षेत्रों की तुलना में यह बहुत बड़ी आबादी नहीं है। वे विशेष रूप से मेन देवता की पूजा के लिए जाने जाते थे। हालाँकि, स्थानीय स्तर पर सबसे बड़ा मंदिर, हाल ही में सम्राट के सम्मान में, सीज़र के सम्मान में बनाया गया मंदिर था।

यह तटीय शहरों की तुलना में बहुत छोटा था। हालाँकि, हम पुरातत्व से जानते हैं कि सर्गी पोली का परिवार इस क्षेत्र में रहता था, विशेषकर यहाँ के उत्तर-पूर्व में। और यदि उसने उन्हें अनुशंसा पत्र प्रदान किए थे, जो स्वाभाविक रूप से और सामान्य रूप से वह तब करता जब वह आस्तिक बन जाता, भले ही उसका विश्वास स्थायी था या नहीं, हमारे पास विश्वास करने का कुछ कारण है यदि वह बाद में सीनेटर बन गया और बाद में रोम में सेवा की पीढ़ी, उसने कुछ ऐसे काम किए होंगे जिन्होंने सीज़र को कुछ इस तरह से सम्मानित किया होगा जिसे ईसाई आमतौर पर उचित नहीं मानते होंगे।

हालाँकि हम नामान को याद कर सकते हैं, जिसे 2 किंग्स, अध्याय 5 में एक मूर्तिपूजक मंदिर में जाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन उसने वास्तव में भगवान की पूजा नहीं की थी। उसने राजा को अपने ऊपर निर्भर रहने दिया क्योंकि राजा भगवान की पूजा करता था। लेकिन किसी भी मामले में, सर्जियस पॉलस इस समय कम से कम एक आस्तिक था, और यह स्वाभाविक होगा कि उसने अनुशंसा पत्र प्रदान किए।

यही एक कारण होगा कि वे अंदरूनी हिस्सों में जाएंगे। अब, वे सब के दिन वहाँ आराधनालय में भी बोल सकते थे। यह एकमात्र समय है जब यहूदी सार्वजनिक सभाएँ आम तौर पर सब्बाथ और त्योहार के दिनों में होती थीं।

कभी-कभी लोगों के पास स्कूल होते यदि यहूदी समुदाय काफी बड़ा होता और लोग आराधनालय में अध्ययन करने जा सकते थे। यह बाद की अवधि में अधिक बार प्रमाणित हुआ है। लेकिन किसी भी मामले में, अध्याय 13, श्लोक 15 में, धर्मग्रंथ का जो पाठ इस्तेमाल किया गया था, पॉल संभवतः सामान्य धर्मग्रंथ पाठ से शुरू करने जा रहा है जो वे देते हैं।

वहाँ एक पाठ है, विशेष रूप से टोरा से। हमें नहीं पता कि इस अवधि में रीडिंग अभी तक तय की गई थी या नहीं। वे हो सकते हैं।

बाद में, एक त्रैवार्षिक चक्र होता है। आपके पास टोरा और भविष्यवक्ताओं का पाठ है। इस अवधि में, कुछ लोग सोचते हैं कि लोग अपना पाठ स्वयं चुनने में सक्षम हो गए होंगे, विशेषकर यहूदिया और गलील के बाहर प्रवासी लोगों में।

एक आराधनालय उपदेश आम तौर पर पढ़े गए पाठ पर एक उपदेश होगा। पॉल वास्तव में शुरुआत से उपदेश देता है और अगले उपदेश के अंत तक भविष्यवक्ताओं के माध्यम से चलता है। आराधनालय के शासक उसे बोलने के लिए आमंत्रित करते हैं।

फिर, यह स्वाभाविक होगा। यहाँ कोई है जो वास्तव में यहूदिया से आया है। उन्हें धर्मग्रंथ के वक्ता के रूप में प्रशिक्षित किया गया है।

निःसंदेह, वे उससे पूछने जा रहे हैं। आराधनालय के शासक अक्सर एक मानद पद होते थे, लेकिन अक्सर यह आराधनालय के सर्वोच्च अधिकारियों को भी संदर्भित कर सकते थे। शिलालेख ऐसा दर्शाते हैं।

अक्सर ऐसे लोगों को यह पद दिया जाता था जो विशेष रूप से उस समय के वर्ग विभाजन के बारे में सोचे जाने वाले सम्मानजनक, सम्मानजनक वर्ग के थे। ये अक्सर आराधनालय के लिए दानकर्ता भी होते थे। ठीक है, 1316 में, प्रवासी भारतीयों में, जैसा कि हम मैथ्यू 5.1 में यीशु के बारे में देखते हैं, उसके विपरीत, प्रवासी भारतीयों में, एक वक्ता बोलने के लिए सामान्य रूप से खड़ा होता था।

यीशु ल्यूक 4 को पढ़ते हैं और फिर व्याख्या करने के लिए बैठते हैं, लेकिन यहूदिया और गलील के बाहर प्रवासी भारतीयों में, एक वक्ता आम तौर पर खड़ा होता है। तो, पॉल खड़ा है। फिर हमारे पास अध्याय 13, श्लोक 16 से 43 तक एक धर्मग्रंथ-युक्त व्याख्या है, जो पौलुस द्वारा अन्यजातियों को उपदेश देने के तरीके से काफी अलग है।

पॉल ने अपने भाषणों में अलग-अलग श्रोताओं को उसी प्रकार अनुकूलित किया, जिस प्रकार उन्होंने अपने पत्रों में विभिन्न श्रोताओं को अनुकूलित किया था, जिसे प्राचीन काल में एक अच्छा अलंकारिक सिद्धांत माना जाता था। खैर, अगली बार हम जो लेने जा रहे हैं वह वास्तव में पिसिडियन एंटीओक में आराधनालय में पॉल के संदेश की सामग्री है। और जैसा कि हम देखने जा रहे हैं, कुछ लोगों को वास्तव में पॉल जो कहना चाहता है वह पसंद है, लेकिन कुछ लोग वास्तव में पॉल जो कहने जा रहे हैं उसे नापसंद करते हैं।

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 14, अधिनियम 12 और 13 है।